

क्राइम अपरेशन

CRIME OPERATION साप्ताहिक

वर्ष ८ अंक ४ २०७६ श्रावन २५ गते आईतवार

Sunday 11, Aug, 2019

वेबसाईट, होस्टिङ, अनलाईन रेडियो,
एस.एम. एस. तथा एस.एम. एस.
भोटिङ्का साथै सम्पर्कवेयर एप्स
चाहिएमा हामीलाई सम्झनुहोस ।

सम्पर्क:
Websoft IT Nepal Pvt. Ltd.
Biratnagar, Morang
www.webssoftitnepal.com
9842278940

कानून नै नबनी राष्ट्रिय परिचयपत्र वितरण कार्य रोक्न माग

विराटनगर । नेपाल सरकारले केही जिल्लाहरूमा वितरण गरि रहेको राष्ट्रियपरिचय पत्र कानून नै नवाची वितरण भईहेको कायापाई तत्काल रोक्न प्रतिपक्षीदल नेपाली काग्रेसले माग गरेको छ ।

प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेपाली काग्रेसका सांसदहरू विलेन्द्र प्रसाद बड्दु, अमरशंकर कुमार सिंह र देवेन्द्राराज काङडेलले कानून निर्माणका बाबेमा संसदीय समितिमा छलफल भईहेको बेला सो परिचय पत्र विवरणमा कामलाई जारी राखेकोमा आवास जानाउदै तत्काल स्थगित गर्न सरकारसँग जोडाउर माग गरेका छन् ।

संघीय संसदको राज्य व्यवस्था तथा सुशासन समितिको शुक्रवार बसेको बैठकमा 'राष्ट्रिय परिचय पत्र तथा पञ्जीयरणको सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको विधेयक' मायिको छलफलमा भाग लिए काग्रेस सांसद बडुले कानून निर्माणको पाठीमा



राष्ट्रिय परिचय पत्र छपाई पनि

संसदीय समितिमा छलफल सार्वजनिक खरिद ऐन र प्रत्यक्षित कानून विवरित रहेको बाबी गर्दै त्यसबाटे गर्ने गरेको बेला सो परिचय पत्र वितरण गरेरको बेला सो परिचय पत्र वितरण गर्ने गरेका छन् ।

राष्ट्रिय परिचय पत्र छपाई पनि

संसदीय समितिमा छलफल सार्वजनिक खरिद ऐन र प्रत्यक्षित कानून विवरित रहेको बाबी गर्दै त्यसबाटे गर्ने गरेको बेला सो परिचय पत्र वितरण गरेरको बेला सो परिचय पत्र वितरण गर्ने गरेका छन् ।

खस्कदो स्थीतिलाई सुधार गर्न भर्ना अभियान

राकेश कार्ण

विराटनगर । बदलिदो युगमा खस्किदो शैक्षिक स्थीतिलाई सुधार गर्न विराटनगर स्थित महेन्द्र मोरङ्ग आदर्श बहुमुखी क्याम्पसले भर्ना अभियान थालेको छ ।

विराटनगरको शैक्षिक धरोहरको रूपमा रहेको महेन्द्र मोरङ्ग क्याम्पसको शैक्षिक पढाईको गुणस्तर सुनिश्चितता गर्न तथा नयाँ नियी शैक्षिक कार्यक्रमहरू बारे भर्वै उच्च मात्रामिक तह उत्तीर्ण भएका विद्यार्थीहरूमा थप जानकारी प्रवाह गर्न क्याम्पसले उक्त भर्ना अभियान थालेको छ ।

नीजी शैक्षिक कार्यक्रमतर्फ विद्यार्थीको बढावो आकर्षणलाई मध्यनजर राख्दै क्याम्पसले हालसाले बीपीए, बीपीए, बीपीएम, बीपीए, बीएसडब्ल्यु र एमपीए लगायतका जम्मा १० बटा निजी प्रोग्रामहरू भित्रयाएको छ । उक्त प्रोग्रामले गार्ड महेन्द्र क्याम्पसमा तुलामासक रूपमा यस वर्ष निश्चित स्थितभन्दा बढी विद्यार्थी भर्ना हुन आएका छन् ।

दश हजार विद्यार्थीहरू अध्ययन गरेको गौरवमय इतिहास बोकेको उक्त क्याम्पसको भौतिक

संरचनाको सुधार, पठनपाठनको सुधार, सुचना प्रार्थीमा सुधार गर्दै विद्यार्थीहरूमा गुणतरीय शिक्षा प्रवाह गर्न उक्त भर्ना अभियानले महत्त्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने महेन्द्र मोरङ्ग क्याम्पस

अन्तर्गत व्यवस्थापन संकायको उप प्राप्तिवापक मोहन सु बे दीले जानकारी दिए ।

उनले भर्ने शैक्षिक पढाईको गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने योजनाको सन्दर्भमा द बटा सुधारका अभियानहरूलाई अगाडि सारेको बताउदै उक्त सुधारका अभियान अन्तर्गत भौतिक संरचनाको सुधारलाई क्याम्पसले पहिलो प्राथमिकता राख्दै नेपाल सरकार लगायत अन्य निकायहरूबाट वार्षिक १० कोरेड रुपैयां लागानी गर्ने गरी ५ वर्षे यो जना बनाईसकेको उप प्राप्तिवापक सबैदीको बढी हुन आएको छ ।

साथै उनले शैक्षिकहरूको स्तरोन्नति र पठनपाठनको स्थितिलाई सुदूर बनाउने, शैक्षिक हिसाबविताकामा पारदर्शीता ल्याउने, शैक्षिकहरूलाई जिमेवारी बोध गराउने र खो ज अनुसन्धानमुलक शैक्षिकसत्र

लागू औषधसहित तीन जना पकाउ

विराटनगर । जिल्ला मोरङ्ग सुनवर्सी नगरपालिका बडा न.८ सिद्धी थित सिद्धी खपहल भित्री सङ्कर खण्डमा चाकी सिक्टीबाट प्रसन्निको कमाप्डमा खट्टैको गर्ती टोलीले आवान २२ गते लागू औषध सहित मानिसलाई पकाउ गरेको छ ।

पकाउ पर्ने दक्षिण बाट उत्तर तर्फ जाई गरेको को ५ प. १५९८ नं. को मोटर साइकललाई

चेकजाँच गर्ने क्रममा उक्त मोसामा सबार मिक्रोबुग गाडे पालिका बडा नं. ९ को गोविन्द सङ्कर भण्डारी, सोही मोसामा पछाई लाई त्रिपुरामा उक्त विकास वैदिकलाई लागू औषध सहित पकाउ गरेको हो ।

मोटरसाइकलको लेगार्डमा भुण्डाई ल्याएको भोला भित्र अन्तिम पेजमा...

रकम ठगी गर्ने प्रहरीको फन्दामा

विराटनगर । वैदेशिक रोजारारीको भान्ने भन्नै पैसा । ठगोको ठगोकाएका पकाउ लेटाउ नगरपालिका-५ घर भइ हाल काठमाडौं स्थित टोखा नगरपालिका-५ घर लेटाउ नगरपालिका-५ घर लेटाउ नगरपालिका वर्षामा आफ्नत र छिमेकी गरि १४ जनालाई इजरायल पठाइदिने भन्नै पैसा ठगोका थिए ।

थ्रम तथा रोजारारीका कायालय विराटनगरका वरिष्ठ थ्रम अधिकृत प्रेम प्रसाद संज्ञेले लिम्बुले १४ जनासँग प्रति व्यक्ति १ लाखेखि २ लाख ८० हजार रुपैयांसँम्म ठगी गरेको बताए । ठगीमा पर्ने उनका भाइजा, भाजादाखि छिमेकीसम्म रहेको उनको भनाई छ ।

लिम्बुले लेटाउ लिम्बु, लेटाउ-५ का हर्कवाहादूर लिम्बु, लेटाउ-५ का वाकी अन्तिम पेजमा...

ए. ए. अटोमोवाइल प्रा. लि.
बिराटनगर-४, कन्यनगारी

यहाँ पुरानो तथा नयाँ कार,
मोटरसाइकल र स्कूटर सुप्त मुल्यमा
खरिद, बिक्रि गरिन्छ ।

सम्पर्क नं. ८८५२०१११८६, ८८१७३८४९

हिंपमत तरंग

रक्षाबंधन : क्या कहता है इतिहास

बहना ने भाई की कलाई से घाट बाँधा है, यार के दो तार से संसार बाँधा है... समन कल्पाणपुर द्वारा गाया यथा यह गाना रक्षाबंधन का बेहद चर्चित गाना है। भले ही ये गाना बहुत पुराना न हो पर भाई की कलाई पर राखी बाँधें का सिलसिला बेहद प्राचीन है। रक्षाबंधन का इतिहास सिंधु घाटी की सभ्यता से जुड़ा हुआ है। वह भी तब जब अप्य समाज में सभ्यता की रचना की शुरुआत मात्र हुई थी।

रक्षाबंधन पर्व पर जहाँ बहनों को भाइयों की कलाई में रक्षा का धारा बाँधें का बेस्ट्री से इंतजार है, वहीं दूर-दराज वसे भाइयों को भी इस बात का इंतजार है कि उनकी बहना उन्हें राखी भेजे। उन भाइयों को निराश होने की जरूरत नहीं है, जिनकी अपनी सरी बहन नहीं है, व्याकिं महेश्वरी बहनों से राखी बधाने की परपरा भी काफी पुरानी है।

असल में रक्षाबंधन की परपरा ही उन बहनों ने डाली थी जो सरी नहीं थीं। भले ही उन बहनों ने अपने संरक्षण के लिए ही इस पर्व की शुरुआत भयों न की हो लेकिन उसी बधालत आज भी इस त्योहार की मान्यता बरकरार है। इतिहास के पन्नों को देंते तो इस त्योहार की शुरुआत की



उत्तरी लगभग ६ हजार साल पहले बहाई गई है। इसके कई साक्ष्य भी इतिहास के भयों में दर्ज हैं।

इतिहास के पन्नों से...

रक्षाबंधन की शुरुआत का सबसे पहला साक्ष्य गानी कर्णवती व समाट हुमायूँ है। मध्यकालीन या में राजपूत व मुस्लिमों के बीच संघर्ष चल रहा था। गानी कर्णवती चितौड़ के राजा की विध्वानी थी। उस दौरान गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह से अपनी और अपनी प्रजा की सुरक्षा का कोई रास्ता न निकलता देख रानी ने हुमायूँ को राखी भेजी थी। तब जाकर युद्ध की स्थिति समाप्त हुई थी। व्याकिं भारतीय राजा पुरु ने अलेक्जेंडर की पत्नी को बहन मान लिया था।

बहन का दर्जा दिया था।

दूसरा उदाहरण अलेक्जेंडर व पुरु के बीच का माना जाता है। कहा जाता है कि हमेशा विजयी रहने वाला अलेक्जेंडर भारतीय राजा पुरु की प्रखरता से काफी विचलित हुआ। इससे अलेक्जेंडर की पत्नी काफी तनाव में आ गई थी।

उसने रक्षाबंधन के त्योहार के बारे में सुना था। ऐसे, उन्होंने भारतीय राजा पुरु को राखी भेजी। तब जाकर युद्ध की स्थिति समाप्त हुई थी। व्याकिं भारतीय राजा पुरु ने अलेक्जेंडर की पत्नी को बहन मान लिया था। इतिहास का एक अन्य

बहन का दर्जा दिया था।

उदाहरण कृष्ण व द्रोपदी को माना जाता है। कृष्ण भगवान ने दुष्ट राजा शिशुपाल को मारा था।

युद्ध के दौरान कृष्ण के बाएँ हाथ की आगली से खुन बह रहा था। इसे देखकर द्रोपदी बेहद दुखी हुई और उन्होंने अपनी साड़ी का टुकड़ा चीरकर कृष्ण की आगुली में बाँधा रखा। जिससे उनका खुन बहना बंद हो गया। तभी से कृष्ण ने द्रोपदी को अपनी बहन स्वीकार कर लिया था। वर्षा वाद जब पाडव द्रोपदी को जुए में हार गए थे और भी भी सभा में उनका चीरहरण हो रहा था तब कृष्ण ने द्रोपदी की लाज बचाई थी।

हर युग में भाई ने निभाया है बहन को दिया वचन

रक्षा बंधन भाई-बहन के प्राचीन काल त्योहार है, एक मासूली सा धारा जब भाई की कलाई पर बंधता है, तो भाई भी अपनी बहन की रक्षा के लिए अपनी जान त्योहार बरकरार हो जाता है।

क्या आप जानते हैं

कि रक्षाबंधन का इतिहास काफी पुराना है, जो सिंधु घाटी की सभ्यता से जुड़ा हुआ है। असल में रक्षाबंधन की परपरा उन बहनों ने डाली थी जो सरी नहीं थीं, भले ही उन बहनों ने अपने संरक्षण के लिए ही इस पर्व की शुरुआत भयों न की हो, लेकिन उसकी बधालत आज भी इस त्योहार की मान्यता बरकरार है।

इतिहास के पन्नों को देंते तो इस त्योहार की शुरुआत ६ हजार साल पहले माना जाता है। इसके कई साक्ष्य भी इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। रक्षाबंधन की शुरुआत का साक्ष्य गानी कर्णवती और समाट हुमायूँ का है।

रानी कर्णवती और समाट हुमायूँ

मध्यकालीन युग में राजपूत और मुस्लिमों के बीच संघर्ष चल रहा था, तब चितौड़ के राजा की विध्वान गानी कर्णवती ने गुरुदर देकर मार डाला था। निजाम गानी के सुल्तान बहादुर शाह से अपनी और अपनी प्रजा की सुरक्षा का

कोई रास्ता न कर देता रहा लिया।

सिकंदर व पोरस की पत्नी ने अपने पति के हिंदू शत्रु पुरु को राखी बांध कर अपना मंहेवाला भाई और युद्ध के समय सिकंदर को न सारें का बदन लिया।

सिकंदर की अपनी प्रजा के बारे में युद्ध से दौरान हाथ में बढ़ी राखी का और अपनी बहन को लिया।

सिकंदर व पोरस के बीच चितौड़ के राजा की विध्वान गानी कर्णवती ने अपना हाथ तो रक्षा-सूत्र को देखकर उसके हाथ गए और वह बंधी कर लिया।

सिकंदर व पोरस के बीच चितौड़ के राजा की विध्वान गानी कर्णवती ने अपना हाथ तो रक्षा-सूत्र को देखकर उसके हाथ गए और वह बंधी कर लिया।

रियासत को बचाने के लिए सरदार दोस्त मोहम्मद खान को राखी भेजकर मदद की गुजारिश की।

दोस्त मोहम्मद खान ने रानी के रियासत की रक्षा की। रानी ने अपने भाई दोस्त मोहम्मद के प्रतीकृताज्ञा जाहिर करते हुए छप हजार की राशि और २ हजार की जनसंख्या वाला एक छोटा-सा गांव भेंट किया। दोस्त मोहम्मद खान ने १७२२ में भोपाल रियासत की नीव डाली और इस द्वारा की वर्ष्क भाईयों को काट-काट भोपाल रियासत को बचाना शुरू किया।

इस तरह होपाली "बर्कूकाट भोपाली" कहलाए। सन् १७२३ ईस्टी में रानी कमलापति की मृत्यु ने दोस्त मोहम्मद ने ब्रिटिशों के बाजार के अनुसार एक बार देवता और दैत्यों (दानवों) में १२ वर्षों तक युद्ध हुआ परन्तु देवता विजयी नहीं हुए। इंद्र हार के भय से दुखी होकर देवगुरु बृहस्पति के पास विमर्श हेतु गए। यह बृहस्पति के सुकावर पर इन्द्र की पत्नी महालाली शशी ने श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के दिन विधि-विद्यान से ब्रह्म करते रक्षा-सूत्र तो यार देवता और दैत्यों (दानवों) में इन वर्षों तक युद्ध हुआ परन्तु देवता विजयी नहीं हुए।

इंद्र हार के भय से दुखी होकर देवगुरु बृहस्पति के पास विमर्श हेतु गए। यह बृहस्पति के सुकावर पर इन्द्र की पत्नी महालाली शशी ने श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के दिन विधि-विद्यान से ब्रह्म करते रक्षा-सूत्र तो यार देवता और दैत्यों (दानवों) में इन वर्षों तक युद्ध हुआ परन्तु देवता विजयी नहीं हुए।

रक्षा विधान के समय निम्न स्तरात्मक एवं विविध विधानों के द्वारा विधिवाली विधान गया। यह विधिवाली विधान गया। यह विधिवाली विधान गया। यह विधिवाली विधान गया। यह विधिवाली विधान गया।

मगही भाषा

मगही भाषा के गीत

१४

दद्या मालिन लगावे फूलवाडी सरबगुन आगर हो।

मध्यांच वयठल हथिन सासु उहवे से पूछे -

बवुआ कहहू बवने कारन बवुआ बडा सुन्नर हो।

कारिक भासे नहइली, कारिक छठ क्यली।

मन से क्यली एतवार ललनवाँ बडा सन्नर हो।

चउका बयठल हथिन वहिन, उहवे से पूछे -

कउने फल खयल ललनवाँ बडा सुन्नर हो।

खयली किसमिस-च्युहेडा, अदुरो वेदाम खयली।

आउ फोर-फोर खयली नरियवा, ललनवाँ बडा

सन्नर हो।

ललनवाँ बडा सन्नर हो।

दद्या मालिन लगावे फूलवाडी सरबगुन आगर हो।

१५

महलों मे जच्चा रानी दद्ये वेआक्ल, होरिलवा के पापा

हम न कोई के बोलयबो।

सासु जे अहें दवता मनइहे, देवता मनाइ नेग मासिहें,

होरिलवा के पापा....।

न नेग मिलिहे, रिसाय चली जइहे, मनावे न जयबो तो

लोग सब हीसह।

होरिलवा के पापा हम न कोई के बोलयबो।

ननदी जे अहें काजर पारन के, कजरा पराइ नेग मासिहें।

होरिलवा के पापा...।

कजरा परइया ने नेग मिलिहे, रिसाय चली जइहे, होरि

लवा के पापा...।

म्नावे न जयबो तो लोग हीसहें, होरिलवा के पापा हम

न कोई के बोलयबो।

१६

मध्यकालीन बड्डले कोरिला रानी, मेघवा से अरज करे हो

? ?

ललना मत बरस, केदली के बनवाँ तो राम-लछुमन बन

बन गेल हो।

केई जे भीजल बेलतर, केई बवुर तर हो।

ललना मता-सुन्दर भीजल सीरीसितर, आहिं केदली बनावो हो।

केकरा के भीजल पराडिया तो केकरा के जोडवा भीजे हो।

ललना केकरा के भीजल चुनरिया तो राम-लछुमन बन गेल हो।

राम के भीजले पराडिया तो लछुमन के जोडवा भीजे हो।

ललना सीता सुन्दर भीजले चुनरिया तो राम लछुमन बन गेल हो।

भरत प्रसाद महतो

- मिसावी गाएक, सडेलेका तथा अद्यव्यक्त खाने कराहल नव्वाओै।

- उपभोक्ता हीत संरक्षणरा चतावो बवैकै।

- छाता भासो कासु नव्वाओै र बिकी विरत्यामा समेत निल्स्त्राहित गरैकै।

- अबाच रंग प्रयोग परेका बाल्प पदाखहस्को उपभोग बहिस्कार गरैकै।

- छाडा चीयापालो कियावर गरी, ब्रह्मालुवा चीयापालरु छाडा नद्धाडीकै।

- सङ्क तथा पेटिकानारामा आवागमनमा अवरोध हुने गरी निर्माण सामाझी नव्वाओै तथा व्यवायर व्यवसाय नमरैकै।

- बोस्त्रास ख्यल, टोलमा व्यवसायिकपामा पश्चपालन क्षुद्रार पालन गर्दी छर्केकामा असर नपर्ने गरी पालोकै।

- सवारी साधतरुकै को स्पानामा मात्र पारिकै।

- बालम शोषणविरुद्ध आचारसहित पालना गरी बालम शोषण सुक्त नगरैका स्थानपान गरैकै।

- सावंजक निकाला आचारसहित पालना गरी बालम शोषण सुक्त नगरैका स्थानपान गरैकै।

- आचारो घर बरर विरुला रोपी, हरित गाऊ नगरैको रूपमा विकास गरैकै।

- उपभोक्ता आचारसहित कोलमा गरैकै।

- सुनवर्सी नगर पालिकाका

कार्यालय मोरंग

कार्यालय मोरंग

सुनवर्सी नगर पालिकाका

कार्यालय मोरंग

एकताको लागि सत्ता बाधक होईन

राकेश मिश्र

राजपा र समाजवादी पार्टी बीच एकीकरणको दुवै पारीका शीर्ष नेतृत्व तहमा बैठक जारी छ। मध्ये शको मृदालाई प्राथमिकताका साथ राण्ड्य स्तरमा उठान गरी विभेदमुक्त बनाउने कुरामा दुवै दल एकमत छन्। त्वसैले, यी दुवै दलबीच सहमति, सहकार्य वा एकीकरण नै भए राम्रो हुने मध्येशका जनताको म्यांडेड रहाई आएको छ। त्यसैले लाई मध्यनजर गरी एकीकरणको बैठक निरन्तर चलिरहो को छ। यी दुवै शकिबीच एकीकरण हुन्पछि भन्ने कुरामा सैद्धान्तिक समर्ति पनि छ। तर, नेतृत्वबाटो समायोजन कसरी गर्ने, स्थानीय देखि केन्द्रीय तहसम्मका नेता कार्यकता 'हरूलाई कसरी व्यवस्थापन गर्ने भन्ने कुरामा छलफल भइरहेको छ। विभिन्न मोडलालिटीमा छलफल जारी छ। त्यसैले एकीकरण हुने प्रवल सम्भवना छ र हुन्पछि।

बस्तु : एकीकरणलाई मध्येश आन्दोलनका भावनासाथ जोडेर पनि रहेन्पछि। मध्येश आन्दोलनको म्यांडेड तै यसो कि मध्ये शको केन्द्र त सम्पूर्ण शक्तिहरू एक ठाउमा आउए एउटा ठोस, बलियो र शक्तिशाली पार्टी बनोस्। आम मध्येशी जनताको चाहना र अपेक्षा यसी रहाई आएको छ। त्यो विसाल्ने गत निवाचनमा हाम्रो गठनस्वरूप पनि वन्ने र त्यसको सफलताअनुरूप हामीले प्रदेश आहिले सरकार सञ्चालन गरिरहेको छी। यो राज्य विभेदकारी हो, राज्यले विभिन्न बहानामा मध्येश र संघीयतामार्फ प्रहार गर्दै आइरहेको छ। यो प्रहारको प्रतिकार गर्न, संघीयताको सफल कार्यावयन र विभेदमुक्त नेपाल निर्माणका लागि बलियो राजनीतिक शक्तिको आवश्यकता महसूस भएको ले एकता आवश्यक हो।

मूलरूपमा जनताको म्यांडेट एकीकरण नै हो। सामाजिक पहाडका आदिवासी जनताकी तथा उत्तीर्ण वर्गहरूसाथ गप पनि हामीले एकता गर्दै आएको छौ। विभेदका विरुद्ध संघर्ष गर्दै आएका सम्पूर्ण शक्ति चाहे त्यो पहाडका होस् या मध्येशका होस्, एकीकृत भएर समतामूलक समाजको स्थापना होस् भने दिशामा राजपा र समाजवादी पार्टी आगाड बढिरहेको छ। यसी सोचको उपज अहिले दुवै पार्टीबीच एकीकरणलाई अन्तिम निर्धारणमा पुर्याउनका लागि जान छलफल भइरहेको छ। हाम्रो मूल लडाई समानातामूलक समाज स्थापना, विभेदको अन्त्य र विशेष धराई स मानुपातिक समावेशिताको सिद्धान्तलाई लागू गराउनकै लागि हो।



**द्युम्रपान
र मध्यपान आजै
देखि त्यागौ र
निरोगी रहौ।**

एकीकरणका विषयमा अहिले विभिन्न प्रकारका मॉडलहरूबाटे छलफल भइरहेको छ। हाम्रा नेतृत्वहरूको व्यवस्थापन कसरी हन, सबै नेता कार्यकर्ताहरूलाई कसरी समाहित गर्ने, भावना र राजनीतीक एकता कसरी गर्ने भनेमा गहन छलफल भइरहेको छ। भावनागतरूपमा अहिले मध्ये श एकीकृत छन् र राजनीतिकरूपमा एकीकृत हन केही समय लाग्छ। आगामी दिनमा कसरी पार्टीलाई सञ्चालन गर्ने, कसले कुन जिम्मेदारी पाउने त्वसैले विषयमा विभिन्न थरिका मॉडलहरूमा घनिभूत वहस भइरहेको छ। जुन उपयुक्त र सबै लाई मन पर्दै त्यो मांडलअनुसार नै राजपा र समाजवादी पार्टीबीच एकीकरण हुने हो।

दुवै पार्टीबीच एकता भइसके पछि महाधिवेशन नहुन्जेलसम्म विभिन्न पदवहरू सिजना गरेर, कामको बाडकाड गरेर विभिन्न विभागी तोकेचै।

महाधिवेशनपछि एकल नेतृत्वमा पार्टी जानेछ। हाम्रा समानित नेताहरूको कार्य विभाजनमा सम्मानित स्थान रहिरहेस् भनेमा छलफल र वहस भइरहेको छ।

सत्ता एकताका लागि बाधक होइन। किनभने एउटा विपक्षी दल र अर्को सत्ता साझेदार दलबीच एकीकरण हुदा दुवै समानान्तर आउने स्वाभाविक प्रक्रिया नै हो। एकीकरणको सबै मोडलालिटी टुर्गो लामिसके पछि समाजवादी पार्टी आफै सरकार प्रदेश ओडेर आजाउँ। एकीकरण दुर्गो लाम्बुन्द्रवा पहिला समाजवादी पार्टी सरकारबाट वाहिर आउछन् भन्ने कुरामा स्पष्ट छ। यसमा शंका गर्न ठाडा छैन।

पहिला एकीकरणको प्रक्रिया दुर्गो लगाउँ र जब एकीकरणको तिथिमित धोयणा हुदै, त्यसपछि समाजवादी पार्टी आफै सरकार ओडेर बाहिर आजाउँ। भन्ने हामीलाई विभाजन छ। यसको अवस्था छैन। समाजवादी पार्टी सरकारबाट वाहिर आउछन् भन्ने एकता अपार्हार्य छ।

मूलरूपमा जनताको म्यांडेट एकीकरण नै हो। सामाजिक पहाडका आदिवासी जनताकी तथा उत्तीर्ण वर्गहरूसाथ गप पनि हामीले एकता गर्दै आएको छौ। विभेदका विरुद्ध संघर्ष गर्दै आएका सम्पूर्ण शक्ति चाहे त्यो पहाडका होस् या मध्येशका होस्, एकीकृत भएर समतामूलक समाजको स्थापना होस् भन्ने दिशामा राजपा र समाजवादी पार्टी आगाड बढिरहेको छ। हाम्रो मूल लडाई समानातामूलक समाज स्थापना, विभेदको अन्त्य र विशेष धराई स मानुपातिक समावेशिताको सिद्धान्तलाई लागू गराउनकै लागि हो।

मुद्दाहरू सम्बोधन हुन्छ। सविधान शोधन गरेर मध्येश र मध्येशी जनताको समस्या समाधान गर्ने तहमा विभिन्न प्रतिवद्धता जनाएको थियो। त्यही आशामानको भरमा राजपाले विना शर्त केही ओली नेतृत्वको सरकारलाई मत दियो। तर, हामीले केही ओली नेतृत्वको सरकारबाट धोका पायो। वर्ष दिन वित्तिसबद्ध पनि सरकारले हामीसाग गरेको प्रतिवद्धता पूरा गरेन। त्वस्काराणले सरकारमा जाने कुरै छैन। हाम्रो मुख्य माना विभेदकारी सविधानलाई संशोधन गराएर छाइछौ।

सरकारसाथ धैर्य संघर्षहरू हुन्छ, तर सरकारको नियत सफा छैन। सरकारको विभाजन भइरहेको छ। अब घन्थोर आन्दोलनको माध्यमबाट विभेदकारी सविधानलाई संशोधन गराएर छाइछौ।

सरकारसाथ धैर्य संघर्षहरू हुन्छ, तर सरकारको नियत सफा छैन। तर एकल नेतृत्वमा पार्टी जानेछ। हाम्रा समानित नेताहरूको कार्य विभाजनमा सम्मानित स्थान रहिरहेस् भनेमा छलफल र वहस भइरहेको छ।

त्यसैले एकताका लागि बाधक होइन। एकल नेतृत्वमा पार्टी जानेछ। सरकारको विभाजन भइरहेको छ। यसको विभेदकारी छैन। तर एकल नेतृत्वमा समर्थन फिर्ता लियो भन्ने कुरा नै छैन। सरकारले जेजे गर्दै त्यसमा टास्कफोर्स त बनाउयो। टास्कफोर्सको विभाजनका कुन-कुन बारा विभेदकारी छैन, ती धाराहरूलाई इग्निम गरेर होमवरक रान्पुरदर्दयो। त्यो पनि गर्न सकेको छैन। त्यसकाराणले राजपाले हतायसम्म सरकारबाट समर्थन फिर्ता लियो भन्ने कुरा नै छैन। सरकारले जेजे गर्दै त्यसमा समर्थन दिएर राजपा वहस सञ्चैन। त्यसकाराणले राजपाले नियतमा खोल देख्यो।

हाम्रो आन्दोलनका मूल एजेन्डा संविधान संशोधन नै हो। त्यसपछि संघीयता कार्यान्वयन मा जहाङा-जहाङा के न्द्रीय सरकारबाट बाढा अवरोध भइरहेको छ, त्यसको विश्वदूमा संघर्ष हुनेछ। सफल संघीयताको सफल कार्यान्वयन होस् भन्ने हामीलाई विभाजन चाहन्दैन्ति क्यो जान्ने तरिकामा लाग्ने त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

त्यसको अवस्था छैन। योकाक सत्ता संघीयता यो देशमा रहिरहेस्। उतीहरू केन्द्रीकृत शक्ति चाहन्दैन्तर तर हामी सविधानको नियत सफा जानेछ।

स्वास्थ्य

क्या है हाई प्रोटीन मैनकई डकबीडस, सूपरफूडसे करें डाइविटज कंट्रोल



अनिता शर्मा

असल मेरे मैनकई डकबीडस या एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और काई के रूप में देखा जाता है। डकबीडस को पानी के लैंस के नाम से भी जाना जाता है, यह जलिय पौधा जाने पानी और आर्द्धभूमि, ठहरे हुए पानी या जाने पानी तो यह जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और काई के रूप में देखा जाता है।

यह सूपरफूड बूल शुगर मध्यमहै देखि देखाइ और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

यह सूपरफूड बूल शुगर की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा। यह एक जलिय पौधा है। यह पानी की उपरी सतह पर होता है और तेजी से रहा।

प्रहरीद्वारा अवैध मदिरा र भाडाकुडा नियन्त्रणमा

विराटनगर। जिल्ला मोरडु विराटनगर महानगरपालिका वडा नं.१२ स्थित बखरी टोलका विभिन्न घरघरस्को तलासी गर्ने क्रममा अवैध रूपमा लुकाई छिपाई राखेको मदिरा प्रहरीले नियन्त्रणमा लिएको छ ।

लुकाई छिपाई राखेको भन्ने प्राप्त सूचनाको आधारमा जिल्ला प्रहरी कार्यालयका प्रहरी नायब उपरिक्षक राज कमात बिंदुको नेतृत्वमा वडा प्रहरी कार्यालयका प्रहरी नायब उपरिक्षक वेद प्रसाद वैद तथा योग्यतम लगायतका अन्य प्रसीद अधिकृत तथा जावाहरुको समर्वय तथा सहकार्यमा सो मदिरा नियन्त्रणमा लिएको हो ।

उक्त कार्यालयका तलासी गर्दा जगदिश कामत, सजन कामत, राम चन्द यात्र र समेत तका मानिसहरुको घर तलासी गर्दा घेरेल मदिरा, मदिरा बनाउने कच्चा पदार्थ तथा जावाहरुको सामानहरु बरामद भएको थिए ।

बरामद भएका समान हरुमा २ सय लिटरको निलो प्लाइटिको ड्रम थान २, मदिरा ४ सय लिटर, सानो मध्यम ६० लिटरको प्लाइटिको ड्रम थान ६४ मदिरा ४ लिटर, सानो १५ लिटरको प्लाइटिको ड्रम थान १५ मदिरा २ सय २५ लिटर जम्मा ४ हजार



४ सय ६५ लिटर मदिरा बरामद गरिएको थिए ।

त्यसै गरी मदिरा बनाउन विधायो गर्ने ठुगो भाडा २८ थान, सानो भाडा २० थान र चुलो २ थान रहेको छ ।

घरेलु मर्हरान नियन्त्रण लिने क्रममै जिल्ला मोरडु बेलवारी नगर पालिका वडा नं.स्थित ईलाका प्रहरी कार्यालय बेलवारी आगाडी चेक्जाँच गर्ने क्रममा कार्कर्भिट्रावाट विराटनगरतर्फ आई रेसेको को १ ख ४९८६ नं. को मातृभूमि

सुपर डिलक्समा लुकाई छिपाई ल्याएको घरेलु मदिरा (रसी) अन्तर्भूती ४ सय ४० लिटर बरामद गरिएको छ बस चालक जिल्ला भापा

दमक-२ बर्ने कमल बहादुर दर्जीलाई बस सहित आवश्यक कारवाहीको लागि आन्तरिक राजस्व आवायलय विराटनगरमा बुकाएको छ ।

विजय कुमार मण्डल द्वारा सम्पादित बहुभाषी पत्रिका हिपमत तरंग साप्ताहिक चार्डे बजारमा आउदैछ ।